152

# विक्रय-पत्र

क्रमांक-1 पृष्ठ-18 विक्रयपत्र मु0 560000/-रूपये। सर्किलसे मालियत 540000/-रूपये। वार्षिक लगान 10/-रूपये सम्मालियत 8000/-रूपये। विक्रीतभूमि 0.360 हैक्टेयर। किस्म भूमि सर्किल का उच्चतमरेट 1200000/-रूपये प्रति हैक्टेयर। विक्रेता आदिवासी, शिड्यूल ट्राइब नहीं है। आवास एवं विकास है। स्टाम्प मु0 56000/-रूपये। स्थित ग्राम रानीपुर। उक्त आराजी का नम्बर खसरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने के कारण सर्किलरेट से 25 प्रतिशत अधिक स्टाम्प अदा किया है। उक्त आराजी का कोई इकरारनामा नहीं हुआ।

मैं कि श्रीमती ऊषा गर्ग पत्नी श्री सुरेश कुमार गर्ग निवासी 38-नन्दविहार ज्वालापुर परगना ज्वालापुर जिला हरिद्वार की हूँ।

विदित हो कि प्रतीज्ञा निम्नलिखित सम्पत्ति के स्वामी व अधिकारी हैं जो इस समय हर प्रकार भार तथा प्रतिबन्ध आदि से मुक्त है किसी प्रकार के हस्तान्तरण तथा बन्धक आदि नहीं है और कोई ऋण आदि किसी महकमें, बैंक, सोसायटी, कम्पनी आदि या व्यक्तिगत रूप से निम्नलिखित सम्पत्ति को बन्धक करके लिया हुआ नहीं है और निम्नलिखित सम्पत्ति के विक्रय व हस्तान्तरित करने में प्रतिज्ञ पूर्ण रूप से सक्षम है अतः प्रतिज्ञ ने अपनी मन, बुद्धि तथा इन्द्रियों की स्वस्थ दशा में निम्नलिखित सम्पत्ति को बदले मुबलिग 560000/-रूपया के बदले में श्री विकास गर्ग पुत्र श्री सुरेश कुमार गर्ग निवासी 38-नन्दविहार ज्वालापुर परगना ज्वालापुर जिला हरिद्वार-

के हक में विक्रय व हस्तान्तरित कर दी है। मूल्यराशि की प्रप्ति का ब्यौरा निम्नलिखित है, तत् पश्चात् इनके कोई मूल्यराशि क्रेता के जिम्मे शेष नहीं और नही भविष्य में होगी। कब्जा व दखल क्रेता महोदय का बखूबी व वाकई मौके पर करा दिया है। और अपना कब्जा हर प्रकार से हटा लिया है, अब प्रतिज्ञा बचन देते और प्रतिज्ञा करते हैं कि क्रेता महोदय निम्नलिखल सम्पति पर अपना समस्त अधिकार स्वामित्व सहित करके लाभ हर प्रकार से प्राप्त करें हर प्रकार से अपना भोग व प्रयोग में लावे और जो चाहे सो करें, अब प्रतिज्ञ तथा उसके उत्तराधिकारी को विक्रेय की हुई निम्नलिखित सम्पत्ति तथा उसकी मूल्यराशि से कोई सम्बन्ध किसी प्रकार का शेष नहीं रहा और न ही भविष्य में होगा। यदि बाद में किसी नुक्स कानूनी के कारण या किसी के वाद-विवाद करने पर उक्त सम्पत्ति कुल या उसका कोई अन्श, कब्जा या दखल क्रेता उक्त से निकल जावे तो क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपनी कुल या उसका कोई अन्श, मूल्य राशि मुझ प्रतिज्ञ से मेरी जात-खास या जायदाद से वसूल कर लेवे, इसमें मुझ प्रतिज्ञ या उसके वारसान को कोई उजर नहीं होगा। नीज प्रतिज्ञ उन जुमला कानूनी जिम्मेदारियों को जो कि बरूहये कानून एक प्रतिज्ञ पर आयद होती है का पूरा-पूरा पाबन्द व जिम्मेदार होगा व रहेगा।

सम्पत्ति का विवरण :-जो कि आराजी 0.360 जीरो दशमलव तीन छः जीरो हैक्टेयर

Usha Garg - Vikas G.

रु० 560000/-

फीस रजि० ... नकल व प्रति ... योग ... शब्द लगभग

5000/- — 101/- — 5101/- — 900

श्री [illegible]

[illegible]

03/03/07

2/3

[illegible]

[illegible]

03/03/07

Usha Garg

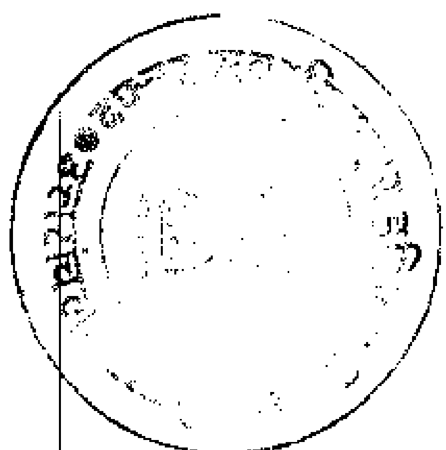

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs 10000

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSA

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

2003-04

04AA 108462

-: 2 :-

अज आराजी 0.639 जीरो दशमलव छः तीन नौ हेक्टेयर नम्बर खसरा 718/1/1 सात सौ अठारह बटा एक बटा एक खाता नम्बर 69 उनहत्तर स्थित ग्राम रानीपुर परगना ज्वालापुर तहसील व जिला हरिद्वार है। जिसकी मैं स्वामिनी व अधिकारिणी हूँ। जो आज तक हरप्रकार के ऋण परिवर्तन आदि के भार से शक्त और मुक्त है और मुझे उक्त आराजी को विक्रय

क्र. 368 दिनांक 2/3/04 [illegible]

[illegible]

99. [illegible]

[illegible]

[illegible] रु. 60000 [illegible]

[illegible] स्वीकार किया

[illegible]

03/3/04

Usha [illegible]

Vikas [illegible]

[illegible] हस्ताक्षर किये [illegible]

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. | Rs 10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

2003-04 हेतु

04AA 108461

-:3:-

करने के पूर्ण अधिकार प्राप्त हैं। अब अपनी स्वस्थ इन्द्रिय तथा स्थिर बुद्धि की अवस्था में अपनी इच्छा व प्रसन्नता से उक्त आराजी मय हरप्रकार के हकूक व अधिकारों के मुब0 560000/-रुपया के बदले में श्री विकास गर्ग पुत्र श्री सुरेश कुमार

क्र. 365 दिनांक 2/3/04 ..........

नाम/शामिल नं. ..........

99, तुषार गुप्ता, स्टाम्प विक्रेता हरिद्वार

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000 दस हजार रुपये

10000 रु. Rs.10000 RUPEES TEN THOUSAND

10000 रु. Rs.10000

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

1 MAR 2004

2003-04

04AA 108460

-: 4 :-

गर्ग निवासी 38-नन्द विहार ज्वालापुर परगना ज्वालापुर जिला हरिद्वार के प्रति विक्रय करके और कुल रुपया निम्न ब्यौरा से प्राप्त किया। क्रेता दाखिल खारिज अपने नाम

Usha Garg — Vikas G

क्र. 370 दिनांक 2/3/04 कीमत 10 रुपये

नाम/शामिल

१९, तुषार गली, स्टाम्प विक्रेता हरिद्वार

2/3/04

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु.  Rs.10000

दस हजार रुपये
RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

1 MAR 2004

2003-04

04AA 108419

तसदीक करलें, कोई उज्र न होगा। क्रेता उक्त खाता व खसरा नम्बर मे पहले से ही साझीदार है। क्रेता उत्तरांचल का कृषक है,

ushagarg (signature) - Vinod (signature)

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

2003–04

04AA 108420

1 MAR 2004



है, जिसकी खतौनी दस्तावेज के साथ संलग्न है।

60 2/3/04

कुमार

2003-04 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

हरिद्वार
कोष नं० 65,
28 ... 2004
कोषागार
हरिद्वार (उत्तरांचल)

-: 7:-

अतः यह विक्रयपत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे।

Vikas [signature]

[signature]

59 ... 2/3

58

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

1 MAR 2004
कोषागार हरिद्वार

2003–04 5617
हेतु

-: 8 :-

रुपये का ब्यौरा:- मु0 560000/-रुपया चेक नं0-314203

ता0 3-3-04 बैंक आफ बडौदा अपर रोड हरिद्वार प्राप्त किया।

ता0 3-3-2004

ह0- Usha garg

ह0- Vinay [signature]

गवाह- [signature]
S.C. Gupta
S/o S.R. Gupta
36, Nand Vihar
Haridwar

गवाह- [signature]

टाइपकर्ता [signature]

मसविदाकर्ता [signature]
Advocate
3/3/04

61

[illegible] 2/3 [illegible]

[illegible] 60

[illegible]

[illegible] 1/125 [illegible] 100 [illegible] 1562

[illegible] 1482 [illegible] 67-64

[illegible] 3/3/14 [illegible]